सांध्य दैनिक 4PM

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं कि उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 11 • अंक: 121 पृष्ठ: 8 • लखनऊ, बुधवार, 4 जून, 2025

पहली बार आईपीएल चैंपियन बनी... 7 | गुजरात में मनरेगा घोटाला, मोदी... 3 | परिवारवालों का सुख भाजपाइयों... 2

नरेन्द्र-सरेंडर से मच गया पॉलिटिकल बवंडर

तेजी से पिघल रहा है ब्रांड मोदी का नाम

डिजिटल लहर बन गया राहुल का बयान सिर्फ दो शब्दों में काम तमाम

- » आपरेशन सिंदूर ने राष्ट्रवाद के मुद्दे पर कांग्रेस को बराबरी पर ला खड़ा कर दिया
- » राहुल को घेरने की तैयारी अब बीजेपी की बारी
- » तेजी से खत्म हो रही मोदी की लोकप्रियता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दो शब्दों ने सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा कर दिया है। मध्य प्रदेश के भोपाल में एक रैली के बीच में दिये गये बयान नरेन्द्र—सरेंडर ने ऐसी डिजिटल लहर पैदा की कि वह जन-संवाद में बदल गयी और सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी। विपक्ष को वर्षों बाद ऐसा मुद्दा मिला है जिसने उसे राष्ट्रवाद की बहस में बराबरी पर ला खड़ा किया है। बीजेपी के सहयोगी दलों ने राहुल गांधी के इस बयान को गैरजिम्मेदारी वाला बयान बताया है और बयान की कड़ी निंदा आनी शुरू हो गयी है। बयानों में कहा जा रहा है कि राहुल गांधी ने देश के गौरव का अपमान किया। जब पाकिस्तान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया गया जब उसे घुटनों पर ला दिया गया और उसे युद्धविराम की भीख मांगनी पड़ी, तो कोई कैसे कह सकता है कि पीएम मोदी ने आत्मसम्पर्ण किया है।

सोशल मीडिया आंकलन के बाद ऐसा प्रातीत हो रहा है कि ब्रांड मोदी में डेंट लगा है और वह तेजी से पिघलना शुरू हो गया है। मोदी को दशकों से एक मजबूत निर्णायक नेता के तौर पर पेश किया गया है। 56 इंच का सीना इसका ऐसा प्रतीक बना कि विपक्ष का कोई भी वार बेअसर हुआ। कोई भी बयान, कोई विरोध जनभावना के करीब भी नहीं पहुंच सका। लेकिन आपरेशन सिंदूर को बीच में रोकना और उसपर अमेरिकन प्रेसीडेंट का बयान कोढ़ में खाज बन गया और इस स्थिति का फायदा कांग्रेस ने बखूबी उठाया।

ये है नेता प्रतिपक्ष का बयान

राहुल गांधी ने भोपाल में एक रैली के दौरान विवादित टिप्पणी की जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि 10 मई को घोषित भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम समझौते के दौरान डोनाल्ड ट्रंप के फोन के बाद पीएम मोदी ने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया था। राहुल गांधी ने स्थिति का फायदा उठाते हुए कहा कि पहले सिंदूर, फिर सरेंडर। यही है मोदी मॉडल। अब ये नरेंद्र काम सरेंडर सरकार है। यह बयान न सिर्फ शब्दों का खेल था, बल्कि मोदी सरकार की सैन्य और कूटनीतिक नीति पर एक जबरदस्त व्यंग्य था। विपक्ष को वर्षों बाद ऐसा मुद्दा मिला, जिससे वो राष्ट्रवाद की बहस में बराबरी से उतर सके। राजनीतिक विशलेषकों के मुताबिक राहुल का बयान सीधे पीएम मोदी की सबसे बड़ी ताकत उनकी राष्ट्रवादी ब्रांडिंग पर हमला है।

बचाव की मुद्रा में बीजेपी

बीजेपी नेताओं की तरफ से राहुल गांधी को गद्दार, सेना विरोधी तक कहा गया। लेकिन खास बात यह रही कि कोई भी यह स्पष्ट नहीं कर सका कि ऑपरेशन सिंदूर को अचानक बीच में क्यों रोका गया और ट्रंप का बयान कैसे आया। जवाब की कमी ने लोगों को सोचने पर मजबूर किया और तेजी से नैरेटिव बदला। राहुल के सवाल और शंकाओं के साथ पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के भाषण और सोशल मीडिया कैंपेन ने सरकार की सैन्य रणनीतियों को कठघरे में खड़ा कर दिया। इससे पहले विपक्ष के पास केवल आर्थिक मुद्दे थे जिनके सहारे वह सरकार को घेरती थी लेकिन अब भावनात्मक और सुरक्षा से जुड़े प्रश्न भी विपक्ष के पास हैं। अभी तक राष्ट्रवाद का एजेंडा पूरी तरह बीजेपी के कब्जे में था, वहीं अब विपक्ष खासकर कांग्रेस को यह मौका मिला है कि वह इस मुददे पर सरकार से सवाल पूछ सके।

मालूक नागर ने की निंदा

राष्ट्रीय लोक दल नेता मलूक नागर ने कहा है कि राहुल गांधी ने देश के गौरव का अपमान किया। जब पाकिस्तान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया गया जब उसे घुटनों पर ला दिया गया और उसे युद्धविराम की भीख मांगनी पड़ी तो कोई कैसे कह सकता है कि हमारे प्रधानमंत्री ने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि अगर आप कहते हैं कि प्रधानमंत्री ने आत्मसमर्पण कर दिया तो आपका क्या मतलब है क्या उन्होंने देश के हितों को छोड़ दिया? यह बिल्कुल झूठ है। कोई भी बच्चा यह विश्वास नहीं करेगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मसमर्पण कर दिया। ये निराधार आरोप हैं।

पाकिस्तानी दुष्प्रचार का अगुआ बने राहुल : पूनावाला

भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने गांधी पर पाकिस्तानी दुष्प्रचार का अगुआ होने का आरोप लगाते हुए उन पर हमला किया और उन्हें शशि थरूर एवं अपनी पार्टी के उन नेताओं की बात सुनने की सलाह दी, जिन्होंने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए किसी तीसरे पक्ष ने मध्यस्थता नहीं की है। शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी को एक बार फिर समझ आ गया है कि विपक्ष के नेता का मतलब पाकिस्तानी दुष्प्रचार का नेता होता है। जिस तरह का दुष्प्रचार पाकिस्तान भी नहीं कर पाया, वैसा वह कर रहे हैं। पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी, डीजीएमओ ने जो कहा, विदेश मंत्रालय ने जो कहा, उस पर विश्वास करें... अगर उन पर नहीं तो कम से कम शशि (थरूर), मनीष (तिवारी) और सलमान (खुर्शीद) पर विश्वास करें। उन्होंने कहा है कि कोई मध्यस्थता नहीं हुई, भारत ने (पाकिस्तान को) फोन नहीं किया, उनके डीजीएमओ ने भारत से संपर्क किया।

पेड एजेंट हैं राहुल गांधी : संबित पात्रा

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला किया और उन पर भारत-पाकिस्तान संघर्ष और ऑपरेशन सिंदूर से निपटने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तरीके पर सवाल उठाने के बाद भारत विरोधी भावनाओं को प्रतिध्वनित करने का आरोप लगाया। हाल ही में मध्य प्रदेश में कांग्रेस के एक सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान गांधी ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के साथ सैन्य गतिरोध के दौरान तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आने के बाद मोदी ने आत्मसमर्पण कर दिया। उनकी टिप्पणी पर सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने गांधी पर भारतीय सशस्त्र बलों का अपमान करने और एक सफल सैन्य अभियान को कमजोर करने का आरोप लगाया। पात्रा ने कहा, राहुल गांधी जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिस तरह के सवाल राहुल गांधी बार-बार पूछ रहे हैं, मुझे पूरा संदेह है कि वह चीन या पाकिस्तान के पेड एजेंट हैं।

परिवारवालों का सुख भाजपाइयों से देखा नहीं जाता है : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- गोमती रिवर फ्रंट के विद्वेषपूर्ण जाँच में भी कुछ हाथ नहीं लगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा पर फिर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा सपा के बनाए लखनऊ के गोमती रिवर फ्रंट में आम जनता के स्वस्थ मनोरंजन के लिए जेट स्कीइंग का आनंद तब और बढ़ जाएगा, जब भाजपा सरकार की लापरवाही और उपेक्षा के कारण प्रदूषित हुई गोमती नदी अपने बदरंग और अपनी दुर्गंध को लेकर पर्यटकों के आनंद में बाधा नहीं बनेगी।

भाजपा सरकार को कोई समझाए कि शुद्धीकरण से ही सौंदर्यीकरण की शुरुआत होती है। सच्चाई तो ये है कि परिवारवालों का सुख भाजपाइयों से देखा नहीं जाता है। इसीलिए सपा ने जब आम परिवारों के जीवन में नदी किनारे के आनंद को भरने का प्रयास किया तो जाँच के नाम पर भाजपाइयों ने गोमती रिवर फ्रंट का विकास ही रोक दिया। जब विद्वेषपूर्ण जाँच में भी कुछ हाथ नहीं लगा तो भाजपाइयों ने जाँच-पर-जाँच का खेल शुरू करवा दिया। इससे अच्छा तो भाजपा सरकार अपने शासनकाल में चोरी हुए उन विदेशी फ़ाउंटेन की जाँच करवा ले, जिनके बारे में ये पता ही नहीं चला कि वो नदी में समा गये या आसमान निगल गया। अगर उप्र भाजपा सरकार ने सही से सपा के विकास कार्य को आगे बढ़ाया होता तो विदेशी मेहमानों का झूला साबरमती के किनारे नहीं, यहीं गोमती के किनारे लगा होता क्योंकि गोमती रिवर फ्रंट का तो कोई मुकाबला ही नहीं है।

मैनपुरी में दूषित जल पीने से 40 लोग बीमार, जांच करे सरकार

मैनपुरी के कुरावली ब्लॉक के हाफिजपुर गाँव में बोरिंग ब्लास्ट करके गये कुछ अज्ञात लोगों के जाने के बाद नल व सबमर्सिबल से मटमैले व दुर्गंधपूर्ण दूषित जल के आने से लगभग 40 लोगों के बीमार पड़ने की असली वजह जानने के लिए सरकार गंभीरता से जाँच करे। ये भी पता किया जाए कि इस दौरान जिन लोगों की मृत्यु हुई है, उसका कारण क्या इस घटना से ही संबद्ध है या कोई अन्य कारण है।

पहले 'मुनाफाखोरी' घटाए फिर महंगाई घटाने की बात करे भाजपा

भाजपा सरकार पहले 'मुनाफ़ाखोरी' घटाए और 'भाजपाई चंदाखोरी' मिटाए फिर महंगाई घटाने की बात करे। खाद्य तेल पर लगने वाले आयात शुल्क को घटाने का फायदा जनता को भी मिलना चाहिए, न कि केवल घरेलू उत्पादकों को। लागत घट रही है तो खुदरा मूल्य भी घटना चाहिए।

हर शिक्षामित्र और उनके परिवार के साथ खड़ी है सपा

सपा प्रमुख ने कहा हम समस्त शिक्षक वर्ग और उनके परिवारों के साथ हैं। जिन सम्माननीय सेवानिवृत्त शिक्षकों का वाचिक-अभद्रता द्वारा अपमान किया गया, उनके साथ भी जिन्हें वेतन के नाम पर चंद पैसे मिल रहे हैं उनके साथ भी और जो भाजपा सरकार आने के बाद से सालों साल से शिक्षक बनने का कभी न खत्म होने वाला इंतज़ार कर रहे हैं, उनके साथ भी। प्रयागराज में शिक्षा चयन बोर्ड के सामने बेसिक शिक्षक के अभ्यर्थियों और लखनऊ के इको गार्डन में प्रदेश भर के शिक्षामित्रों के '2 जून को 2 जून की रोटी के संघर्ष' का प्रदर्शन सच में चिंतनीय है क्योंकि एक तरफ 7 सालों से शिक्षा चयन बोर्ड की बेसिक शिक्षकों की वैकेंसी नहीं आई है और दूसरी तरफ़ शिक्षा मित्रों को मात्र 11 महीने ही वेतन मिलता है और वो भी केवल 10 हज़ार प्रति माह।

पुलिस के बहानों से लोग तंग

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा है किनये कार्यवाहक डीजीपी साहब के स्वागत में जारी, उप्र की ईमानदार पुलिस का स्तुति संवाद। नवागंतुक प्रथम विभागीय कार्रवाई करने का ये सुनहरा अवसर न गँवाएं बल्कि न्याय करके दिखाएं और ये कहकर किसी प्रश्रय प्राप्त को न बचाएं कि ये तो 'एआई' से छेड़छाड़ करके बनाया गया आडियो है। जनता अब ऐसे बहानों से तंग आ चुकी है। कौन तमंचे की नकली बरामदगी दिखाकर, किस को बुक करना चाहता है, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

घाटी में हमेशा भाईचारा रहा उसे बनाए रखें : फारूक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने खीर भवानी मेला और हजरत मीर सैयद अली हमदानी के उर्स दोनों के जश्न का स्वागत किया और इसे कश्मीर में सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बताया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रगति के लिए एकता के महत्व पर जोर दिया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह खुशी की बात है कि खीर भवानी का मेला और हजरत मीर सैयद अली हमदानी का उर्स आज मनाया जा रहा है। घाटी में हमेशा भाईचारा रहा है। हम इस भाईचारे को पूरे देश में देखना चाहते हैं। अगर हम एकजुट रहेंगे, तो हम तरक्की करेंगे। खीर भवानी मेला कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक धार्मिक उत्सव है।

» पर्यटकों की गिरती संख्या पर बोले- हमें लोगों को बुलाना पड़ेगा

यह गंदेरबल जिले के तुल्ला मुल्ला गांव में खीर भवानी मंदिर में आयोजित किया जाता है। यह मंदिर देवी दुर्गा के एक रूप देवी रागन्या देवी को समर्पित है और इसे कश्मीरी हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। अब्दुल्ला ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद तीर्थयात्रियों की संख्या में आई गिरावट पर चिंता जताते हुए श्रद्धालुओं से कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर जाने की अपील की। अब्दुल्ला ने कहा कि हमें कटरा में माता वैष्णो देवी के दर्शन करने जाना चाहिए और लोगों से वहां जाने की अपील करनी चाहिए। माता वैष्णो देवी के दर्शन करने वालों की संख्या में कमी आई है। हाल ही में हुए युद्ध की त्रासदी के बाद लोग डरे हुए हैं। पहलगाम की घटना का असर पूरे देश में देखने को मिला। इससे पहले अब्दुल्ला ने पर्यटकों से जम्मू-कश्मीर लौटने का आग्रह किया था और इस बात पर जोर दिया था कि यह क्षेत्र हिंसा नहीं बल्कि शांति चाहता है।

बिहार में अपराध व सत्ता का गठजोड़ : चंद्र भानु

» यूथ कांग्रेस का नीतीश सरकार पर हमला, बोले- इस्तीफा दे राज्य सरकार के मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। बिहार में बढ़ते अपराध और प्रशासनिक विफलता को लेकर यूथ कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष चंद्र भानु ने कहा है कि राज्य में अपराधियों का मनोबल इसलिए बढ़ा हुआ है क्योंकि उन्हें सत्तारूढ़ दलों बीजेपी और जेडीयू के नेताओं का संरक्षण प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि सत्ता, पुलिस और अपराधियों का गठजोड़ ही राज्य में बार-बार ऐसी जघन्य घटनाओं को जन्म दे रहा है। चंद्र भानु ने कहा कि अपराधियों को यह यकीन है कि सरकार में बैठे लोग उन्हें बचा लेंगे, इसलिए वे बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देते हैं। यह सिर्फ नेताओं की नहीं, बल्कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत का भी नतीजा है। अब समय आ गया है कि जनता को इनकी सच्चाई के खिलाफ खड़ा होना होगा और एक बेहतर बिहार के निर्माण के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने हाल ही में पीएमसीएच में इलाज के अभाव में एक बच्ची की मौत पर भी सवाल उठाए।

गूंगी-बहरी सरकार को जगाना होगा

यूथ कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी इस मामले को ठंडा नहीं होने देगी और सड़क से लेकर सदन तक सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि हमने पटना में विरोध प्रदर्शन किया, पीड़ित के परिवार से मिले और अब हम जनता के बीच जाकर इस अराजक व्यवस्था के खिलाफ माहौल बनाएंगे। बिहार में बहन-बेटियों के साथ जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं, वह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है।

बिहार में गौ माता के नाम से प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारेंगे : अविमुक्तेश्वरानंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अभी से ही सियासी हलचल तेज है। इस बीच काशी पहुंचे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बिहार चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि हमने हर एक दल और राजनेता से गौ माता की रक्षा को लेकर उनके विचार को जाना है और अब स्पष्ट हो चुका है कि गौ माता की रक्षा के लिए कौन खड़ा है।

इसलिए हमने विचार किया है कि न सिर्फ बिहार विधानसभा चुनाव बल्कि देश में होने वाले हर एक चुनाव में गौ माता के नाम से प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारेंगे। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले हमने हर एक पार्टियों और राजनेताओं से बात किया है और अब हमें स्पष्ट है कि गौ माता की रक्षा के लिए कौन असल मायने में संकल्पित है। इसीलिए हमने विचार किया है कि बिहार की हर एक विधानसभा में हम गौ माता के नाम से एक प्रत्याशी को उतारेंगे।

चुनावी लाभ के लिए पवित्र भारतीय परंपराओं का राजनीतिकरण कर रही है भाजपा : मान

» पंजाब सीएम बोले- आपरेश सिंदूर क्या अब वन नेशन, वन हसबैंड की स्कीम है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भाजपा के कथित घर-घर सिंदूर अभियान पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी चुनावी लाभ के लिए पवित्र भारतीय परंपराओं का राजनीतिकरण कर रही है। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार करते हुए मान ने कहा कि हम इसमें क्या कर सकते हैं? आप सिंदूर के नाम पर वोट मांग रहे हैं।

उन्होंने सिंदूर का मजाक उड़ाया है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता उन खबरों की ओर इशारा कर रहे थे जिनमें कहा गया था कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भाजपा कार्यकर्ता घरों में सिंदूर बांट रहे हैं। हालांकि, भाजपा ने ऐसा कोई अभियान शुरू करने से इनकार किया है। मान ने कहा कि वे कह रहे हैं कि वे हर घर में सिंदूर भेजेंगे। अगर आपके घर सिंदूर भेजा जाता है, तो क्या आप मोदी के नाम का सिंदूर लगाएंगे? क्या एक राष्ट्र, एक पति आपकी नई योजना। के वरिष्ठ नेता संजय सिंह की तीखी टिप्पणी की याद ताजा हो गई, जिन्होंने कथित अभियान की निंदा करते हुए इसे सस्ता राजनीतिक स्टंट बताया।

गुजरात में मनरेगा घोटाला, मोदी शाह पर भी आई बात!

71 करोड़ रुपये के हेर फेर का उठा मामला

गुजरात सरकार में कृषि और पंचायती राज राज्य मंत्री गिरफ्तार

» कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने बीजेपी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात के दाहोद जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना के तहत हुए 71 करोड़ रुपये के कथित घोटाले ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी हैज्ज इस मामले में गुजरात सरकार में कृषि और पंचायती राज राज्य मंत्री बच्चूभाई खाबड़ के दोनों बेटों,. बलवंत खाबड़ और किरण खाबड़, साथ ही उनके भतीजे दिलीप चौहान की गिरफ्तारी हुई है। इस घोटाले ने न केवल स्थानीय प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। बल्कि विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या इस घोटाले में बड़े नेताओं, विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की कोई भूमिका है, साथ ही यह सवाल भी उठ रहा है कि इस मामले की जांच अभी तक प्रवर्तन निदेशालय या केंद्रीय जांच ब्यूरो को क्यों नहीं सौंपी गई।

बता दें कि यह घोटाला दाहोद जिले में 2021 से 2025 के बीच मनरेगा योजना के तहत सड़क निर्माण कार्यों में अनियमितताओं से संबंधित है जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण के निदेशक बीएम पटेल की शिकायत के बाद 24 अप्रैल 2025 को दर्ज प्राथमिकी में खुलासा हुआ कि 28 अनधिकृत एजेंसियों को बिना उचित निविदा प्रक्रिया के देवगढ़ बारिया में 60.90 करोड़ रुपये और धनपुर में 10.10 करोड़ रुपये के ठेके दिए गए जांच में पता चला कि कई सड़कें केवल कागजों पर बनाई गईं और फर्जी सप्लाई फर्मों को करोड़ों रुपये का भुगतान किया गया। पुलिस जांच के अनुसार बच्चूभाई खाबड़ के बेटों—बलवंत और किरण का संबंध 'श्री राज ट्रेडर्स' और 'श्री राज कंस्ट्रक्शन कंपनी' जैसी फर्मों से था। जिन्हें बिना टेंडर के 30.04 करोड़ रुपये और 82 लाख रुपये का भुगतान किया गया। कुल घोटाले की राशि का लगभग 40 फीसदी हिस्सा इन दोनों भाइयों से जुड़ी फर्मों को मिला, वहीं इस मामले में अब तक 10 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जिसमें किरण खाबड़ को 20 मई 2025 को वडोदरा-हलोल राजमार्ग पर गिरफ्तार किया गया। इस घोटाले ने विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को बीजेपी सरकार पर हमला बोलने का मौका दिया है। कांग्रेस ने इसे 'गुजरात का भ्रष्टाचार मॉडल' करार देते हुए दावा किया है कि बच्चूभाई खाबड़ के करीबी रिश्ते नरेंद्र मोदी के साथ हैं और गुजरात में कोई भी बड़ा निर्णय उनकी या अमित शाह की अनुमति के बिना नहीं होता। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई पोस्ट्स में इस तरह के दावे सामने आए हैं। जिसमें कहा गया कि जहां मोदी और शाह, वहां जांच समिति बने रिश्वत का जरिया।

मंत्री के समर्थन में कई लोग

बच्चूभाई खाबड़ ने अपने बेटों के खिलाफ लगे आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है, हालांकि बीजेपी के कुछ नेताओं ने दावा किया है कि यह मामला व्यक्तिगत है और मंत्री को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। दूसरी ओर विपक्ष का कहना है कि बच्चूभाई को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। क्योंकि उनके परिवार की संलिप्तता ने सरकार की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। आपको बता दें कि दाहोद मनरेगा घोटाला गुजरात की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है,. जो बीजेपी सरकार की छवि और भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठा रहा है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की संलिप्तता के आरोप, हालांकि गंभीर हैंलेकिन अभी तक केवल विपक्षी दावों और सोशल मीडिया चर्चाओं तक सीमित हैं। जिनका कोई ठोस सबूत नहीं है, जांच की प्रगति और ईडी-सीबीआई की संभावित भूमिका इस मामले के भविष्य को निर्धारित करेगी। फिलहाल यह घोटाला न केवल गुजरात बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक बहस का केंद्र बना हुआ है। इस खबर में फिलहाल इतना ही।

बीजेपी ने आरोपों को किया खारिज, विपक्ष की राजनीतिक साजिश बताया

हालांकि इन आरोपों का कोई ठोस सबूत अभी तक सामने नहीं आया है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की संलिप्तता के दावे मुख्य रूप से विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर आधारित हैं और इन्हें सत्यापित नहीं किया जा सका। बीजेपी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे विपक्ष की राजनीतिक साजिश बताया है। बता दें कि विपक्ष ने इस मामले की तुलना पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के साथ की है। जहां मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने एक विधायक पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते ही तत्काल कार्रवाई की। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस अंतर को उजागर करते हुए कहा कि पंजाब में जहां भ्रष्टाचार के खिलाफ त्वरित कार्रवाई हुई। वहीं गुजरात में बच्चूभाई खाबड़ अभी भी अपने पद पर बने हुए है और इस मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियों को नहीं सौंपी गई।

सिसोदिया ने पीएम व गृहमंत्री को लपेटा

आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुजरात में हुए भ्रष्टाचार में नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी शामिल है। वहीं एक तरफ़ पंजाब में भगवंत मान जी को जैसे ही मालूम हुआ कि उनका एक विधायक भ्रष्टाचार में शामिल है। तो उन्होंने उसे गिरफ्तार करवा दिया।. वहीं गुजरात में बच्चूभाई के मंत्री जी के बेटे 71 करोड़ लूटकर ले गए लेकिन मंत्री जी पद पर बने हुए हैं। गुजरात सरकार में मोदी जी और अमित शाह की अनुमति के बिना कुछ नहीं होता है तो क्या इस घोटाले में वह खुद भी शामिल हैं और इस मामले की जांच अभी तक ईडी-सीबीआई को क्यों नहीं दी गई।

घोटाला गरीब मजदूरों के हक को लूटने की साजिश: गोहिल

कांग्रेस के गुजरात अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने कहा, यह घोटाला गरीब मजदूरों के हक को लूटने की साजिश है। बीजेपी के मंत्री के बेटों ने करोड़ों रुपये डकार लिए। लेकिन मंत्री अभी भी अपने पद पर बने हुए हैं। यह गुजरात मॉडल की सच्चाई है आप नेता अरविंद केजरीवाल ने भी पर एक पोस्ट में बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि गुजरात में फर्जीवाड़े का मॉडल चल रहा है। पहले फर्जी पीएमओ अधिकारी, फर्जी जज, और अब मनरेगा घोटाला। क्या यह सब मोदी और शाह की नाक के नीचे बिना उनकी जानकारी के हो सकता है।

विपक्ष व सत्तापक्ष में नोकझोंक बढ़ी

वहीं यह तुलना राजनीतिक बहस का केंद्र बन गई है। विपक्ष का तर्क है कि बीजेपी भ्रष्टाचार के मामलों में अपने नेताओं को बचाने की कोशिश करती है। जबकि आप और कांग्रेस जैसे दल त्वरित कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि यह ध्यान देना जरूरी है कि दोनों मामलों की प्रकृति और परिस्थितियां अलग हो सकती हैं और इस तरह की तुलना पूरी तरह से तथ्यात्मक नहीं हो सकती। आपको बता दें कि इस घोटाले की जांच अभी तक स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन तक सीमित है। जिसके कारण विपक्ष ने सवाल उठाया है कि इसे ईडी या सीबीआई को क्यों नहीं सौंपा गया। गुजरात में हाल के वर्षों में कई मामलों में केंद्रीय एजेंसियों की सक्रियता देखी गई है, जैसे कि गुजरात समाचार अखबार के मालिक बाहुबली शाह की गिरफ्तारी, जिसे विपक्ष ने राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया था। विपक्ष का तर्क है कि अगर बीजेपी सरकार वाकई भ्रष्टाचार के खिलाफ गंभीर है तो इस मामले की जांच स्वतंत्र और केंद्रीय एजेंसियों को सौंपी जानी चाहिए। कांग्रेस नेता जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि जब गुजरात समाचार जैसे मीडिया हाउस पर ईडी की छापेमारी हो सकती है। तो बीजेपी के अपने मंत्री के बेटों के मामले में जांच क्यों नहीं हो रही। दूसरी ओर बीजेपी का कहना है कि स्थानीय पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और गिरफ्तारियां इस बात का सबूत हैं कि सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि विपक्ष बेवजह इस मामले को राजनीतिक रंग दे रहा है। जांच चल रही है और दोषियों को सजा मिलेगी। गुजरात में भ्रष्टाचार के आरोप बीजेपी शासन के दौरान पहले भी सामने आए हैं। 2018 में पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में नीरव मोदी और मेहुल चौकसी जैसे मामलों ने राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं। इसके अलावा 2024 में गोधरा में नीट परीक्षा में नकल का मामला और भर्ती घोटाले जैसे प्रकरणों ने भी गुजरात की छवि पर सवाल उठाए हैं। विपक्ष ने इन मामलों को 'गुजरात मॉडल' का हिस्सा बताते हुए बीजेपी पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप लगाया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

साइकिल ही भविष्य है अपनाने की जरूरत

साइकिल चलाना एंडॉर्फिन नामक हार्मोन को बढ़ाता है, जिससे मूड अच्छा होता है, तनाव घटता है और नींद बेहतर होती है। इससे भी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि साइकिल चलाना एक 'नेट जीरो' गतिविधि है यानी इसका उत्सर्जन शून्य है। न पेट्रोल-डीजल की जरूरत, न ही इंजन की गर्मी और न ही शोर। आज जब दुनिया ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव से जूझ रही है, तब साइकिल जैसे साधन किसी संजीवनी से कम नहीं।

अभी एक दिन पहले विश्व साइकिलिंग दिवस बीता। एकबार फिर पूरे समाज से आवाज उठी की एकबार फिर से साइकिलिंग को बढ़ावा दिया जाए। देखा जाए तो पिछले 10-12 सालों में साइकिलों का प्रयोग कम हुआ है खासकर शहरी क्षेत्रों में जबकि चिकित्सकों के अनुसार साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। साइकिल स्वास्थ्य के साथ लोगों के लिए परिवहन के साधन रूप में भी प्रयोग में लाया जाता । इसके अलावा, मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साइकिल चलाना एंडॉर्फिन नामक हार्मोन को बढ़ाता है, जिससे मूड अच्छा होता है, तनाव घटता है और नींद बेहतर होती है। इससे भी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि साइकिल चलाना एक 'नेट जीरो' गतिविधि है यानी इसका उत्सर्जन शून्य है। न पेट्रोल-डीजल की जरूरत, न ही इंजन की गर्मी और न ही शोर। आज जब दुनिया ग्रीनहाउस गैसों के प्रभाव से जूझ रही है, तब साइकिल जैसे साधन किसी संजीवनी से कम नहीं।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि वैश्विक स्तर पर छोटी दूरी के 30 प्रतिशत सफर साइकिल से तय किए जाएं तो प्रतिवर्ष 0.3 गीगाटन सीओ2 उत्सर्जन में कमी लाई जा सकती है। दुनिया में ऐसे कई शहर हैं, जिन्होंने साइकिल को भविष्य का ट्रांसपोर्ट माना है। पेरिस, न्यूयॉर्क, सिडनी, टोक्यो, ये सारे शहर अब 'कार-फ्री डे' मनाते हैं, जब सड़कों पर केवल साइकिलें चलती हैं। भारत में भी कई शहरों ने साइकिल ट्रैक और स्मार्ट साइकिल परियोजनाएं शुरू की हैं। 2025 तक भारत सरकार का लक्ष्य है कि 100 स्मार्ट शहरों में पर्यावरण-अनुकूल साइकिल नेटवर्क विकसित किए जाएं। साइकिल का उपयोग न केवल व्यायाम का तरीका है बल्कि सामाजिक समानता का भी प्रतीक बन सकता है। जब सड़कों पर अमीर और गरीब, एक समान वाहन से चलते हैं तो सामाजिक दूरी खुद-ब-खुद घट जाती है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने साइकिल को 'सामाजिक समावेश, स्थिरता और शांति' का प्रतीक बताया है। हाल के वर्षों में दुनियाभर में साइकिल चलाने को लेकर एक नई चेतना जागी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों ने भी साइकिल को न केवल एक सस्ता परिवहन बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य संवर्धन का सबसे प्रभावशाली तरीका माना है। वर्ष 2018 में संयुक्त राष्ट्र ने 3 जून को 'विश्व साइकिल दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी, जो केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि उस विचार की मान्यता थी, जो बताता है कि साइकिल आज के सबसे बड़े वैश्विक संकटों (जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों) का सरल समाधान बन सकती है। एक आंकड़ा बताता है कि यदि शहरी भारत में 50 प्रतिशत छोटी दूरी के सफर साइकिल से तय किए जाएं तो सालाना लगभग 2 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोका जा सकता है। यह अकेले भारत के संदर्भ में है। सोचिए, यदि पूरी दुनिया इसका अनुसरण करे तो क्या होगा?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अंकों की होड़ से कुंठित होती प्रतिभाएं

डॉ. जगदीप सिंह

भारत में बोर्ड परीक्षाएं, विशेष रूप से कक्षा 10 और 12 की, न केवल शैक्षिक उपलब्धियों का मापदंड मानी जाती हैं, बल्कि ये बच्चों, उनके परिवारों और समाज के लिए एक भावनात्मक और सामाजिक घटना भी हैं। इन परिणामों का प्रभाव बच्चों की मानसिक स्थिति, उनके आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा पर गहरा असर डालता है। मई-जून के महीने में हिंदुस्तान के हर घर में दस्तक देती है एक जिज्ञासा एक उत्सुकता, एक भय। हर माता-पिता, हर बोर्ड के एग्जाम में बैठा बच्चा हर बीतते हुए दिन को एक ओबसेसन, एक डिप्रेशन एक इनसिक्योरिटी में काट रहा होता है कि क्या होगा? साथ ही, समाज में इन परिणामों को लेकर बनने वाली धारणाएं और अपेक्षाएं सामाजिक संरचना को भी प्रभावित करती हैं।

भारत में बोर्ड परीक्षा के परिणामों को अक्सर बच्चे की बुद्धिमत्ता और भविष्य की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। माता-पिता, शिक्षक और समाज की ओर से उच्च अंक प्राप्त करने का दबाव बच्चों में तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ा सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, भारत में 60 प्रतिशत से अधिक किशोर परीक्षा परिणामों से पहले और बाद में मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं। अच्छे परिणाम बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, लेकिन कम अंक या असफलता आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा सकती है। कई बच्चे समाज और परिवार की तुलनात्मक मानसिकता के कारण खुद को कमतर महसूस करते हैं, जिससे दीर्घकालिक मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ सकते हैं। कक्षा 12 के परिणाम मनचाहे कॉलेज प्रवेश और करिअर विकल्पों को निर्धारित करते हैं। खराब परिणामों के कारण बच्चे भविष्य को लेकर अनिश्चितता और असुरक्षा का अनुभव करते हैं, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य को और प्रभावित करता है। कभी नहीं सुना गया कि अमेरिका में बोर्ड एग्जाम के रिजल्ट आ रहे हैं या यूके में लड़कियों ने बाजी मार ली है या आस्ट्रेलिया में किसी छात्र के 99.5 प्रतिशत अंक आए हैं। माता-पिता इस तरह बच्चों को पाल रहे हैं कि कब उनकी अधूरी आकांक्षाएं पूरी होंगी।

हमारे पूंजीवादी इनवेस्टर्स को कैसा कामगार चाहिए, इस हिसाब से शिक्षा और उसके उद्देश्य तय हो रहे हैं। एक परिवार सुख-चैन त्याग, दिन-रात खट के, संघर्षों, घोर परिश्रम में गुजर जाता है। उस परिवार का पैसा और सहज जीवन इसलिये भेंट चढ़ जाता है क्योंकि

आईटी को एक बेहतरीन सॉफ्टवेयर डेवेलपर चाहिए या किसी को बेस्ट ब्रेन चाहिए या कंपनी को बेहतरीन गेम डिजाइनर चाहिए। हमारी शिक्षा व्यवस्था व उसके आदर्श कहां खड़े हैं? हमारे स्कूल देश के आदर्श नागरिक नहीं, देश के बेहतर कामगार बनाने में दिन-रात एक करके जुटे हुए हैं और माता-पिता बच्चों को इंसान नहीं, एक मेकैनिकल डिवाइस बनाने को प्रतिज्ञाबद्ध हैं। बच्चों को सहजता से जीने दो, दुनिया भागी नहीं जा रही। उन्हें बेस्ट एम्प्लॉय नहीं, बेस्ट सिटीजन बनाने की कोशिश कीजिए। बच्चों की भी खुद से कुछ आकांक्षाएं होती हैं, अपने सपने होते हैं। उनका हमारे लिये कोई अर्थ नहीं, लेकिन बच्चों के लिये वे जन्नत से कम नहीं। हम उन्हें मनोरोगी न बनाएं। ये एक हताशा बढ़ाने वाला ही तो है—टॉपर्स की खबरें, उन्हें मिठाई खिलाते माता-पिता की फोटो। क्या ये एक सामान्य स्तर के छात्रों को मानसिक हीनता की अनुभूति नहीं देंगे? टॉपर तो सिर्फ दो-चार होंगे बाकी देश का बोझ तो 99 प्रतिशत इन्हीं फूल से कोमल सामान्य बच्चों ने ही उठाना है। उनकी मुस्कान बनी रहे। देश से उसकी सृजनात्मक शक्ति को विस्तार दें। भविष्य में वे कुछ भी बन जाएं, एमएनसी में सीईओ हो जाएं पर जो बचपन की रिक्तता हमने उन्हें दे दी है, वह उन्हें जीवनभर खलेगी और कुंठाओं के रूप में फलेगी। हम जो बेस्ट सीईओ मिलेंगे, जिनकी प्राथमिकता उनकी कंपनी होगी, देश नहीं। माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों पर अनुचित दबाव डालने के बजाय उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझने की कोशिश करनी चाहिए। परिणामों को केवल एक मानक नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानना चाहिए।

बोर्ड परीक्षाओं को केवल अंकों पर केंद्रित करने के बजाय, समग्र विकास पर ध्यान देना चाहिए। करिअर के विकल्पों को बढ़ावा देना और कौशल-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता देना समाज और बच्चों के लिए लाभकारी होगा। समाज को यह समझने की जरूरत है कि हर बच्चा अलग है और उसकी सफलता केवल अंकों से नहीं मापी जा सकती। मीडिया और सोशल मीडिया पर सकारात्मक कहानियों को प्रचारित करना चाहिए, जो असफलता से उबरने और वैकल्पिक रास्तों को अपनाने की प्रेरणा दें। भारत में बोर्ड परीक्षा परिणाम न केवल एक शैक्षिक घटना है, बल्कि इनका बच्चों की मानसिक स्थिति और समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

भद्रपुरुषों के खेल में अभद्रता की अनकही गाथाएं

प्रदीप मैगज़ीन

अप्रैल का महीना मुझे सदा टीएस इलियट की कविता 'द वेस्ट लैंड' की प्रसिद्ध शुरुआती पंक्तियों की याद दिलाता है। तब से ही, जब चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में मेरी कक्षा के अधिकांश छात्र जीवन की जटिलताओं को समझने के लिए जद्दोजहद कर रहे थे, तब यह कविता हमारे लिए दुनिया को समझने की एक ऐसी खिड़की बनी, जो है तो त्रासदीपूर्ण इतिहास से बोझिल किंतु फिर भी एक बेहतर दुनिया में रहने की उम्मीद जगाती है। हम इन पंक्तियों को दोहराते थे 'अप्रैल का महीना सबसे क्रूर है, जो बंजर भूमि से भी फूलों को उगाता है, स्मृति और इच्छा का मिश्रण करते हुए, वसंत की बारिश के साथ सुस्त जड़ों में हलचल मचाता है।' मानो हमारे लिए यह राष्ट्रगान हो। इस कविता को समझना आसान नहीं था, ठीक वैसे ही जैसे कि हम अपने आसपास के जीवन को देख रहे थे। ढाई दशक बाद अप्रैल के महीने ने और भी बुरा अर्थ प्राप्त कर लिया, जब वर्ष 2000 में, दुनिया को सट्टेबाज-खिलाड़ी गठजोड़ की गहरी जड़ों का पता चला।

इस घोटाले ने क्रिकेट की दुनिया को हिलाकर रख दिया, जब दुनिया के कुछ दिग्गज क्रिकेटर मैच फिक्सिंग करते पाए गए थे। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान हैंसी क्रोनिए, भारत के प्रिय मोहम्मद अजहरुद्दीन और कई अन्य स्टार खिलाड़ियों ने सट्टेबाजों से सांठगांठ कर रखी थी, जिससे प्रशंसकों का खेल पर से भरोसा खत्म हो गया। चूंकि उस समय बतौर एक अंग्रेजी अखबार के रिपोर्टर, इसकी कुछ जटिल परतों को उजागर करने में मेरी भी एक छोटी-सी भूमिका रही थी, इसलिए मुंबई के एक अखबार ने मुझसे 25 साल पहले हुए इस घोटाले की यादें फिर से उधेड़ने को कहा। जब उस दौर के बेहद बेचैन करने वाले इन पलों को पुन: निहारता हूं तो डर की सीमा छू लेने वाली आशंका की वह भावना चौंका देती है, जो मैच फिक्सिंग के बारे में बात चलने पर क्रिकेट प्रशंसकों पर तारी हो जाए। उनके दिमागों में सबसे बड़ा सवाल यह है क्या यह अभी भी हो सकता है? फिर इस संदेह का खुद ही जवाब देने की कोशिश करते हैं 'निश्चित रूप से नहीं, क्योंकि खिलाड़ी इन दिनों इतना कमाते हैं।'

पर यह एक ऐसा जवाब है, जो आगे सवाल खड़ा करता है यह 'इतना' है 'कितना' और मानव के लोभ की सीमाएं क्या हैं और यहां जोड़ना चाहूंगा कि इसकी जरूरत भी क्या है? आज भारत में क्रिकेट एक व्यावसायिक गतिविधि है, जहां यदि कोई खिलाड़ी शीर्ष पर पहुंच जाए या भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लायक हो जाए, तो वह अपने लिए अमीरी सुनिश्चित कर लेता है। इंडियन प्रीमियर लीग ने खिलाड़ियों की कमाई को आठ अंकों में पहुंचा दिया है, यहां तक कि उन खिलाड़ियों के लिए भी जो देश के लिए कभी नहीं खेले। पैसा बरस रहा है, लेकिन ज़रा ठहरिए। वर्ष 2013 में भी स्थिति यही थी, फिर भी दिल्ली पुलिस ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर श्रीसंत और कुछ अन्य के खिलाफ स्पॉट फिक्सिंग के लिए सट्टेबाजों से पैसे लेने का मामला दर्ज किया था। इस काम में उनके साथ शामिल अन्य खिलाड़ियों को लीग खेलने के लिए केवल तय बेस प्राइस (लगभग 10-20 लाख रुपये) मिल रहे थे।

उस जांच में शामिल अधिकारी दिल्ली के पुलिस आयुक्त नीरज कुमार थे, जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई की कमान संभाली थी। जो कोई भी यह जानना चाहता है कि क्या क्रिकेट से भ्रष्टाचार खत्म हो गया है या नहीं और क्या 'फिक्सिंग' अभी भी एक संभावना है, उन्हें बोर्ड में अपने कार्यकाल के बारे में उनके द्वारा लिखे गए, किंतु बेहद परेशान करने वाले संस्मरण को पढ़ना चाहिए। उनकी किताब 'ए कॉप इन क्रिकेट' में इस बात का चौंकाने वाला वर्णन है कि भारत के लगभग सभी राज्यों में आयोजित होने वाली विभिन्न मिनी टी-20 लीग में किस कदर भ्रष्टाचार व्याप्त है, चाहे वह योग्यता में हेरफेर करना हो या टीम का चयन। उन्होंने आईपीएल को भी नहीं बख्शा, जहां उन्होंने पाया कि कुछ फ्रेंचाइजी टीमों की प्रतिभा खोज इकाई ने कुछ पूर्व क्रिकेटरों की सक्रिय मिलीभगत से गलत आचरण किया, जो अब कोच के रूप में काम कर रहे थे। इस किताब में बहुत स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उन्होंने इन सभी घटनाओं की सूचना बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों को दी थी, लेकिन किन्हीं कारणों से, जो वे ही जानें, कोई सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए। आइए हम भारत में क्रिकेट द्वारा प्रदान की जाने वाली समृद्धि को दूसरे दृष्टिकोण से देखें, जिसको लेकर हम मानते हैं कि यह खिलाड़ियों को भ्रष्टाचार करने की जरूरत से मुक्त करती है।

हमें आईपीएल 'रोजगार गारंटी योजना' की तरह पेश किया जाता है, जिसमें अभावग्रस्त विगत जिंदगी के बावजूद कुछ खिलाड़ियों की बड़े पटल पर पहुंचने की सफलता गाथाएं शामिल हैं। है तो यह बहुत बढ़िया, लेकिन हम यह नहीं समझ पाते कि आईपीएल खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों की संख्या 200 से ज़्यादा नहीं है। आइए हम इस गिनती को विस्तार देते हुए इसमें प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वालों को भी इसमें शामिल कर लेते हैं। तब यह संख्या 1000 के आसपास बन जाएगी, लेकिन चलिए इसे 1500 मान लेते हैं। इस तरह, 'अमीर' खिलाड़ियों की कुल संख्या 2000 बैठती है, जिसमें भारत की राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं, हालांकि यहां भी शीर्ष और निचले स्तर के खिलाड़ियों के बीच कमाई का अंतर बहुत ज़्यादा है। जनसंख्या 140 करोड़ है, और देश के लिए खेलने का सपना देखने वाले महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए लगभग 3000 से अधिक अकादमियां हैं।

गन्ने का जूस

गर्मी में पीने के हैं कई फायदे

गर्मियों में चिलचिलाती धूप से राहत पाने के लिए गन्ने का ठंडा जूस हर किसी का पसंदीदा पेय है। गन्ने का जूस गर्मियों में सेहत के लिए एक वरदान है, जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। यह न केवल स्वादिष्ट और ताजगी से भरपूर होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। गन्ने का रस प्राकृतिक शर्करा, विटामिन्स और खनिजों का भंडार है, जो शरीर को हाइड्रेट रखता है, ऊर्जा देता है और पाचन को बेहतर बनाता है। जिससे गर्मी में डिहाइड्रेशन का खतरा कम होता है। गन्ने का जूस में मौजूद पोटैशियम और फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाते हैं और कब्ज से राहत दिलाते हैं। साथ ही, गन्ने में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं, जिससे इन्फेक्शन से बचाव होता है। यह लीवर को डिटॉक्स करने और किडनी के कार्य को बेहतर बनाने में भी सहायक होते हैं, जिससे यूरिनरी इन्फेक्शन का जोखिम कम होता है। गर्मियों में गन्ने का जूस पीने से शरीर को कई लाभ मिल सकते हैं। हालांकि, अगर आपको डायबिटीज या कोई अन्य गंभीर बीमारी है, तो डॉक्टर की सलाह से ही इसका सेवन करें।

पाचन को दुरुस्त करे

गर्मियों में अक्सर तला-भुना खाने से पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। रोज गन्ने का जूस पीने से पाचन शक्ति मजबूत होती है। गन्ने के जूस में लैक्सटेटिव गुण होते हैं, जिससे कब्ज की समस्या से राहत मिलती है। इसमें फाइबर और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो पेट में गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाते हैं। इस जूस में कार्बोहाइड्रेट्स भरपूर मात्रा में होता है, जो आपका एनर्जी लेवल बूस्ट कर सकता है।

लिवर के लिए फायदेमंद

गन्ने का जूस लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के साथ ही लिवर को डिटॉक्सीफाई करने का काम करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर के संक्रमण से बचाव में मदद सकते हैं। इतना ही नहीं, गन्ने का जूस पीने से बिलीरुबिन लेवल कंट्रोल में रहता है। यह पीलिया के लक्षणों को कम करने में काफी लाभकारी हो सकता है।

इम्यूनिटी मजबूत करे

गन्ने का जूस एक नैचुरल इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और फोटोप्रोटेक्टिव तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। गन्ने के जूस का नियमित सेवन करने से आप कई तरह की बीमारियों और संक्रमण से खुद को बचा सकते हैं। वहीं, गन्ने के जूस में पोटैशियम होता है, जो आपके शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स को मेंटेन करता है। इसके अलावा गन्ने के जूस में सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्निशियम और आयरन जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में आपका इलाज कर सकते हैं।

हड्डियां मजबूत बनती हैं

गन्ने का जूस पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूती प्रदान करते हैं। रोजाना गन्ने का जूस पीने से हड्डियों में दर्द और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। गन्ने का जूस किडनी के कामकाज को भी बेहतर करता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इससे खून की कमी भी दूर हो सकती है।

शरीर को एनर्जी मिलती है

गन्ने का जूस एक सुपर एनर्जी ड्रिंक का काम करता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो एनर्जी लेवल को बूस्ट करने में मदद करता है। गन्ने का जूस पीने से थकान और कमजोरी की समस्या दूर होती है। साथ ही, यह डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाव में भी मदद करता है। साथ ही गन्ने का जूस नेचुरल डाईयूरेटिक का काम करता है और यूटीआई में राहत पहुंचाने का भी काम करता है। इस जूस को पीने से चेहरे पर ग्लो आता है और एजिंग साइन की भी समस्या दूर होती है।

हंसना मना है

टीचर पप्पू से: बताओ सबसे नशीला पदार्थ कौन सा होता है? पप्पु: किताब है सर, साला खोलते ही नींद आ जाती है।

बच्चा मेडीकल वाले से: अंकल, गोरा करने वाली कोई क्रीम है? मेडिकल वाला: हां है.. शरारती बच्चा: तो उसे चेहरे पर लगाता क्यों नहीं? रोज तेरा मुंह देखकर डर जाता हूं!

डॉक्टर: पप्पु अब तुम्हारी पत्नी कैसी है? पप्पु: अब काफी सुधार है उसकी तबियत में, आज सुबह तो थोड़ी बहुत लड़ाई भी की उसने।

2 हफ्तों से ज्यादा खासी टीबी बन जाती है.. अगर टाइम पे गर्लफ्रेंड ना चेंज करो तो वो बीबी बन जाती है।

गर्लफ्रेंड: मेरी याद आती है तो तुम क्या करते हो? बॉयफ्रेंड: तुम्हारी पसंदीदा चाकलेट खा लेता हूं। और तुम क्या करती हो मेरी याद आये तब, गर्लफ्रेंड: मैं भी 'विमल' खा लेती हूं।

जितना गौर से लोग टकराने के बाद एक दूसरे को देखते हैं, उतनी गौर से अगर पहले ही देख लें, तो टक्कर ही नहीं होती।

कहानी | सफलता के लिए लगातार सीखें

एक राजा एक राज्य में राज्य करता था। उसके राज्य में सारी प्रजा खुश थी और वह अपने राज्य का काफी देखभाल कर रहा था। एक दिन राजा के मन में एक विचार आया। राजा ने एक बढ़ई को राज काज सौंपने का फैसला किया। और फिर उसने बढ़ई को काम काज सौंप दिया। राजा बढ़ई के कार्य से काफी खुश था, क्योंकि उसने पहले ही महीने लगभग 18 पेड़ों को काटा था। लेकिन बढ़ई के राजा बनने के बाद अगले महीने उस बढ़ई ने काफी कोशिश की, लेकिन वो केवल 15 पेड़ों को ही काट पाया। फिर तीसरे महीने अपनी पूरी सामर्थ्य लगा कर भी, वह केवल 12 पेड़ों को ही काट पाया। धीरे-धीरे उसकी पेड़ काटने की क्षमता कम होने लगी। एक दिन राजा उसके पास पहुंचा और उसके उत्पादकता में कमी का कारण पूछा- बढ़ई ने जवाब दिया- महाराज मेरी उम्र भी बढ़ रही है, और शरीर की शक्ति भी कम हो रही है, इसी कारण से मेरी उत्पादकता में कमी हो रही है। यह जानकर राजा ने पूछा कितने समय पहले तुमने अपनी कुल्हारी को धार लगाई थी। आश्चर्यचकित हो कर बढ़ई ने जवाब दिया केवल एक ही बार महाराज। तब राजा ने समझाया यही कारण है, कि तुम्हारी पेड़ काटने की उत्पादकता में दिन प्रतिदिन कमी आ रही है। सबसे पहले अपनी कुल्हाडी में धार लगाओ, फिर तुम्हारी उत्पादकता में अपने आप बढ़ोत्तरी हो जाएगी। **कहानी से शिक्षा**- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि काम को आसानी से करने के लिए चीजों की लगातार सीखना चाहिए, जिससे हम काम को आसानी से कर सके और हमारे काम में तेजी ला सके।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी।

वृषभ

आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा।

मिथुन

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क

आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह

कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक

दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

धनु

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी।

मकर

कोई नई समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

कुम्भ

सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

मीन

आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

फिल्मी सेट पर ही धूमधाम से मनाया गया 'रिंकू राजगुरू' का जन्मदिन

सैराट की 'आर्ची' आज भी दिलों पर करती हैं राज

अपनी अदाकारी से सबको मंत्रमुग्ध कर देने वाली मराठी सिनेमा की अदाकारा रिंकू राजगुरु ने अपना जन्मदिन बेहद सादगी से मनाया, पर उनके लाखों चाहने वालों ने उनकी खुशी को उस समय दूना कर दिया जब उनके फैन्स ने जन्मदिन के इस पल को बड़े जश्न में बदल दिया। जिस उम्र में ज्यादातर लोग करियर के बारे में सोचते हैं, उस उम्र में रिंकू ने 'सैराट' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म से न केवल दर्शकों का दिल जीता, बल्कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी अपने नाम किया। रिंकू का जन्म 3 जून 2001 को महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में हुआ था। एक सामान्य परिवार की यह लड़की जब पहली बार कैमरे के सामने आई, तो न अभिनय का कोई बड़ा अनुभव था, न ग्लैमर का कोई दबाव। लेकिन पर्दे पर उनकी मौजूदगी ने हर किसी को चौंका दिया। 'आर्ची' का किरदार आज भी भारतीय सिनेमा के सबसे ताकतवर महिला पात्रों में गिना जाता है।

कई फिल्मी सितारों ने दी बधाईयां

कल उनके जन्मदिन पर कई फिल्मी सितारों ने उन्हें बधाइयां दी। सैराट के डायरेक्टर नागराज मंजुले ने लिखा, रिंकू एक अनमोल कलाकार है। उसकी आंखों में अभिनय नहीं, सच्चाई बसती है। वहीं रिंकू ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हर साल मेरे लिए नई उम्मीदें लाता है। जो प्यार आपने मुझे दिया, वही मेरी ताकत है। अब चर्चा है कि रिंकू जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में एक सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका निभाने वाली हैं। साथ ही आगामी फिल्म में उनकी मुख्य भूमिका भी फाइनल हो चुकी है, जिसकी शूटिंग झारखंड में चल रही है ।

लोगों को जरूर देखनी चाहिए 'सैराट'

अगर आपने 'सैराट' नहीं देखी। तो यकीन मानिए, आपने भारतीय सिनेमा की सबसे सच्ची मोहब्बत को मिस कर दिया। इस फिल्म की आंच, इसकी मासूम बगावत, और सबसे ज्यादा इसकी नायिका 'आर्ची' यानी रिंकू राजगुरु का अभिनय। ये आपको भीतर तक हिला देगा। जब ये फिल्म रिलीज हुई थी, तो जैसे पूरे भारत ने एक आवाज में कहा ..कौन है ये लड़की! और जवाब था रिंकू राजगुरु।

रिंकू का अभिनय कमाल का : अविनाश दास

फिल्म निर्देशक अविनाश दास ने भी अभिनेत्री रिंकू राजगुरू को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि सैराट फिल्म में रिंकू का अभिनय कमाल का है। आशा है कि उनकी आने फिल्मे और ज्यादा लोगों को आकर्षित करेंगी और उनको अभिनय की दुनिया में और आगे ले जाएंगी।

"सैराट की सफलता के बाद कई ऑफर्स आए, लेकिन रिंकू ने जल्दीबाजी नहीं की। उन्होंने पढ़ाई भी जारी रखी और चुनिंदा फिल्मों में ही काम किया।"

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजी गई थी फिल्म

एक झंझावात की तरह आई, पर्दे पर छाई और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतकर अपने पहले ही कदम में इतिहास रच गई। पर असली कमाल तब होता है जब कोई कलाकार सफलता के बाद भी जमीन से जुड़ा रहे।

सैराट जैसी सौ फिल्में करें रिंकू : संजय शर्मा

आजकल रिंकू राजगुरु झारखंड के नेतरहाट में एक फिल्म की शूटिंग कर रही हैं

4 पीएम के संपादक संजय शर्मा ने भी रिंकू को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने कहा कि रिंकू राजगुरू को सैराट जैसी सौ फिल्में करनी चाहिए। सिर्फ 23 साल की उम्र में रिंकू राजगुरु ने जो मुकाम पाया है, वह न केवल युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा है, बल्कि इस बात का प्रमाण भी कि सादगी और सच के साथ चलने वाले कलाकार भी सितारे बन सकते है। रिंकू आज भी वैसी ही हैं बिलकुल आपके पड़ोस की साधारण सी लड़की जैसी। ना कोई बनावटीपन, ना स्टारडम का घमंड बस मुस्कुराती हुई सादगी और आत्मा से भरा अभिनय। उनके जन्मदिन पर रात बारह बजे ही हम सभी ने केक काटा। लोगों ने कामना की कि रिंकू राजगुरु सौ 'सैराट' जैसी फिल्में करें और हर बार दिल जीत ले। रिंकू, जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं-आप यूं ही मुस्कुराती रहो, चमकती रहो, और सादगी में भी सितारा बनकर सबका दिल रोशन करती रहो।

बॉलीवुड | **मन की बात**

मैं नहीं मानता कि फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म जैसी चीज है : राजपाल

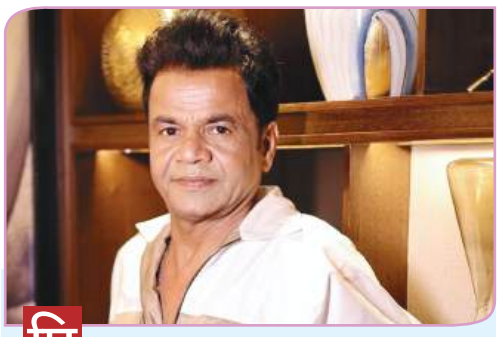

पिछले काफी समय से बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर डिबेट जारी है। कई स्ट्रगलिंग एक्टर्स ने अपनी बातचीत में कहा है कि वो बॉलीवुड में नेपोटिज्म का शिकार हुए हैं। ये मुद्दा हर बार सुर्खियों में आया है। अब एक बार फिर नेपोटिज्म पर बात छिड़ी है। कॉमेडी फिल्मों की जान रहे एक्टर राजपाल यादव ने अपने विचार सामने रखे हैं। उनका कहना है बॉलीवुड में कोई नेपोटिज्म नहीं है। हाल ही में राजपाल यादव ने ANI को दिए इंटरव्यू में नेपोटिज्म पर बात की। उनका मानना है कि अगर इंडस्ट्री में नेपोटिज्म होता, तो शायद आज शाहरुख खान, परेश रावल जैसे एक्टर्स नहीं होते। एक्टर ने साथ ही ये भी कहा कि उनके परिवार में इतने लोग हैं, लेकिन वो आजतक किसी को भी इंडस्ट्री में एक्टर नहीं बना पाए हैं। राजपाल यादव का कहना है, बॉलीवुड में नेपोटिज्म नहीं है, आप विश्वास कीजिए। मैं बहुत ईमानदारी के साथ ये कहना चाहता हूं कि अगर नेपोटिज्म होता तो शाहरुख खान, राजपाल यादव, परेश रावल, अनुपम खेर, अक्षय कुमार, जॉनी लीवर, संजीव कुमार, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, ये सभी लोग कैसे होते? जो लड़के फिल्म इंडस्ट्री में हैं, उनके घर में भी 50 लोग और होते हैं। लेकिन सिर्फ वो ही क्यों इसका हिस्सा बनते हैं? क्योंकि वो हकदार हैं। राजपाल यादव ने आगे कहा कि वो इतने सालों से बॉलीवुड में काम कर रहे हैं। लेकिन आजतक वो अपने परिवार में से किसी को इंडस्ट्री में मौका नहीं दिला पाए हैं। उन्होंने कहा, मुझे 38 साल हो गए हैं एक्टिंग करते हुए, लेकिन मैं आजतक अपने परिवार के किसी सदस्य को इंडस्ट्री में नहीं ला पाया हूं। इसलिए मैं कभी ये नहीं मानता हूं कि नेपोटिज्म जैसी कोई चीज है। अगर आपको बॉलीवुड में काम मिला है, तो आप कोशिश करें कि आपके काम से इंडस्ट्री का नाम और भी आगे बढ़े। राजपाल ने इसी बीच अपने फिल्मी दुनिया में कदम रखने की भी बात बताई। उन्होंने कहा कि उनके परिवार में किसी ने उन्हें एक्टिंग के लिए नहीं कहा था। ये उनका ख्याल था कि वो फिल्मों में काम करें। राजपाल यादव आज अपने बच्चों को यही सीख देते हैं कि कोई फिल्म या स्पोर्ट्स में किसी का भी करियर नहीं बना सकता है। अगर वो इसमें करियर बनाने के काबिल होंगे, तभी आगे बढ़ पाएंगे।

ये है सबसे जहरीला सांप, जो ले सकता है 280 लोगों की जान

सांपों का संसार बहुत ही अनोखा और बड़ा है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि सांपों की कुल 3900 प्रजातियों में से केवल 600 ही सांप जहरीले होते हैं। उनमें भी ऐसे बहुत ही कम होते हैं जो असल में बहुत ही जहरीले होते हैं। इस पर काफी बहस होती रहती है कि आखिर सबसे जहरीला सांप कौन सा है। लोगों की तो अलग अलग राय होती है, पर एक्सपर्ट्स भी अलग कारणों से अलग-अलग सांपों को सबसे ज्यादा जहरीला बताते हैं। पर अगर सबसे खतरनाक जहरीले सांप की बात की जाए तो कोबरा करैत सांप की गिनती होती है। लेकिन इनलैंड ताइपन ऐसा सांप है जो इन दुनियी का सबसे ज्यादा जहरीला सांप माना जाता है। इसके एक बार काटने से 250 से अधिक लोगों तक की जान जा सकती है। भारत में पाया जाने वाले कोबरा सांप की अक्सर तुलना करैत सांप से होती है, जो कोबरा से ज्याद जहरीला होता है। एक्सपर्ट्स बताते है कि यह कोबरा से 15 गुना अधिक जहरीला होता है। लेकिन किंग कोबरा सांप के जहर का असर ज्यादा असर होता है। इसके काटने से करैत की तरह पैरालिसिस और सांस लेने की तंत्र नाकाम तो हो सकता है। लेकिन कोबरा का जहर दिल पर भी गहरा असर करता है, जो कि करैत में देखने को नहीं मिलता है। मवहीं आकार की बात की जाए तो भारत का किंग कोबरा 18 फुट से भी ज्यादा लंबा हो सकता है। जबकि करैत एक मीटर, और इन्लैंड ताइपैन अधिकतम 2.5 मीटर ही लंबा होता है। कोबरा और करैत दोनों ही मुख्य रूप से भारत में पाए जाते हैं। इसके अलावा दक्षिण एशिया और चीन में भी दिखते हैं। वहीं इन्लैंड ताइपैन मध्य और पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में ज्यादा पाए जाते हैं। यह बात भी अहम है कि आखिर कौन सा सांप ज्यादा खतरनाक दिखता है। इसमें बेशक बाजी कोबरा मारता है। एक तो वैसे ही वह लंबा होता है। दूसरा वह फन इस तरह से निकालता है, जिससे इंसान के साथ दूसरे जानवर भी डर जाते हैं। यह छेड़ने पर फुंफकार भी मारता है। वहीं इन्लैंड ताइपैन आकार में छोटा है। आक्रमक नहीं होता है और छिपना पसंद करता है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत में पाया जाने वाला कोबरा सांप कम जहरीला नहीं होता है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह एक बारे में 1000 मीली ग्राम तक का जहर निकालता है। यह किसी भी दूसरे जहरीले सांपों से कहीं ज्यादा है। खुद इनलैंड ताइपैन एक बार काटने में केवल 44 से 110 मिली ग्राम तक जहर निकाल पाता है।

अजब-गजब | **इन अजूबों को देख कर लोग हो जाते हैं हैरान**

इस मंदिर परिसर में एक ही चट्टान को काटकर 19 मंदिर बनाए गए हैं

मसरूर रॉक कट मंदिर, जिसे अक्सर हिमाचल प्रदेश का एलोरा कहा जाता है। प्राचीन भारतीय रॉक-कट वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है। हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी में स्थित, यह मंदिर परिसर 8वीं शताब्दी का है और हिंदू देवताओं राम, लक्ष्मण और सीता को समर्पित है। मसरूर मंदिर एक ही बलुआ पत्थर की चट्टान से बना है और यह प्रारंभिक मध्ययुगीन उत्तर भारतीय मंदिर वास्तुकला का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। मंदिर परिसर में चट्टान से 19 मंदिर बनाए गए हैं। जो एक आयताकार जल तालाब के चारों ओर व्यवस्थित हैं, जो इसके शांत जल में मंदिरों की जटिल नक्काशी को दर्शाते हैं। यह 18वीं शताब्दी की शैली में बनाए गए हैं।

मसरूर मंदिर की स्थापत्य शैली नागर और द्रविड़ दोनों परंपराओं से प्रभावित है, फिर भी यह अपने निष्पादन में अद्वितीय है। मंदिर का बाहरी हिस्सा विभिन्न देवताओं, पौराणिक दृश्यों और पुष्प पैटर्न को दर्शाती बारीक विस्तृत मूर्तियों और जटिल नककाशी से सुसज्जित है। अपनी भव्यता के बावजूद, मंदिर कुछ हद तक अलग-थलग

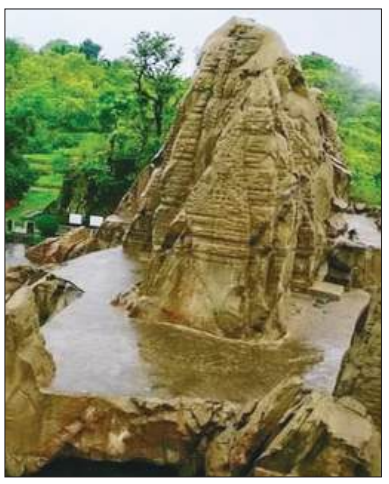

है।सदियों से, इसने प्राकृतिक आपदाओं को झेला है, जिसमें 1905 का विनाशकारी कांगड़ा भूकंप भी शामिल है, जिसने काफी नुकसान पहुंचाया था।

मसरूर रॉक कट मंदिर का सबसे लुभावना पहलू इसकी स्थापना है।लगभग 2,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित, यह आसपास के धौलाधार रेंज के मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। मंदिर का शांत वातावरण, इसकी समृद्ध ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ मिलकर इसे हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर माना जाता है।

हाल के वर्षों में, मसरूर मंदिर को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के प्रयास किए गए हैं जो लोग यहां आते हैं, उनके लिए यह मंदिर न केवल आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है, बल्कि उस युग में वापस ले जाता है जब कलात्मकता और भक्ति पत्थरों में गुंथी हुई थी।

यह प्रारंभिक मध्ययुगीन उत्तर भारतीय मंदिर वास्तुकला का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। मंदिर परिसर में एक ही चट्टान को काटकर 19 मंदिर बनाए गए हैं। इस मंदिर में प्रभु श्री राम और माता सीता की मूर्तियां पाई स्थापित हैं। हालांकि, 1905 में कांगड़ा में आए भूकंप में ये मंदिर क्षतिग्रस्त हो गए थे। अब भी यहां कुछ मंदिर मौजूद है और इसे हैरिटेज का दर्जा दिया गया है। बड़ी संख्या में टूरिस्ट यहां आते हैं। पुरातत्व विभाग इनकी देखरेख करता है और टिकट के बाद ही मंदिर परिसर में एंट्री मिलती है।

भाजपा सामाजिक न्याय वाला देश नहीं चाहती : राहुल गांधी

» जातिगत जनगणना का तेलंगाना मॉडल बढ़िया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश दौरे पर गए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना के दो मॉडल हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने कह दिया कि हम सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ेंगे और लोक सभा में जातिगत जनगणना पास करवा के दिखाएंगे। इस पर नरेंद्र मोदी, मोहन भागवत, नितिन गडकरी ने कई बातें कहीं, लेकिन इन पर थोड़ा सा दबाव पड़ा और ये सरेंडर कर गए। बीजेपी-आरएसएस के लोग दबाव में आकर जातिगत जनगणना की बात बोल गए हैं, लेकिन जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहते हैं। बीजेपी-आरएसएस के लोग देश में न्याय नहीं चाहते।

ये अडानी-अंबानी वाला देश चाहते हैं, ये सामाजिक न्याय वाला देश नहीं चाहते हैं।एक तेलंगाना का मॉडल, दूसरा बिहार का मॉडल। बिहार में अफसरों ने जातिगत सर्वे के लिए बिना दलितों, आदि वासियों, पिछड़ों, जनरल कास्ट या अल्पसंख्यकों से पूछे ही सवाल तैयार कर दिए। वहीं, तेलंगाना में हमने लाखों लोगों से सवाल पूछा। हमारे इस प्रॉसेस में 3.5 लाख से ज्यादा लोगों ने एक साथ मिलकर सवाल निकाले हैं। तेलंगाना के हर घर में सरकार के अफसर गए और सर्वे से जुड़े सवाल पूछे। इससे हमें पता चला कि प्रदेश में कॉर्पोरेट सेक्टर के बड़े पदों पर एक भी दलित, आदिवासी या पिछड़े वर्ग का व्यक्ति नहीं था।

राहुल बोले- यहीं मेरे पास हैं 10 नेता

विधायक बोले- कांग्रेस के पास कोई चेहरा नहीं है

राहुल ने पार्टी के विधायकों और पदाधिकारियों के साथ इंदिरा भवन, भोपाल में महत्वपूर्ण बैठक की और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने वाले संदेश दिए। बैठक के दौरान संगठन सृजन अभियान की जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को फिर से खड़ा करना और कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का संचार करना है। विधायक बाला बच्चन ने सवाल किया कि कांग्रेस के पास कोई चेहरा नहीं है, जिसके दम पर पार्टी चुनाव जीत सके। इस पर राहुल ने जवाब देते हुए कहा कि यहीं मेरे पास 10 नेता हैं। जिनके नेतृत्व में हम चुनाव जीत सकते हैं। उन्होंने विधायक से कहा कि आप में साहस होना चाहिए। उन्होंने आगे सभी को एकजुट रहने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर संगठन के हित में काम करने की सलाह दी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने बताया कि संगठन सृजन अभियान के जरिए 'मिशन 2028' की दिशा में कांग्रेस ने निर्णायक कदम उठाया है।

प्रीति ने बैगा आदिवासियों की उठाईं समस्याएं

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की कांग्रेस महिला नेता प्रीति मांझी ने नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों, खासकर बैगा समुदाय की समस्याओं को रेखांकित किया। प्रीति ने बताया कि बैगा आदिवासी मूलभूत सुविधाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से वंचित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार आदिवासी हितों की अनदेखी कर रही है। प्रीति मांझी ने राहुल गांधी को महिलाओं के अधिकार, हिस्सेदारी और सशक्तिकरण के लिए उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने राजनीति में महिलाओं के लिए स्वाभिमानपूर्ण माहौल की आवश्यकता पर जोर दिया।

जिन देशों के नाम नहीं सुने वहां क्यों गया डेलिगेशन : राउत

» यूबीटी शिवसेना नेता ने कहा- संसद में आतंकी हमले पर चर्चा करवाए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विशेष सत्र रखने की मांग की थी। उन्होंने विपक्ष की ओर से एक निवेदन पत्र केंद्र सरकार को भेजा था, जिसमें शरद पवार और आम आदमी पार्टी के सिग्नेचर नहीं हैं, ऐसे में सवाल उठा कि क्या इस मुद्दे पर विपक्ष एकमत नहीं है? क्या इंडिया गठबंधन में कोई मतभेद है? इसपर अब संजय राउत का जवाब आया है। संजय राउत ने कहा, इंडिया गठबंधन में कोई मतभेद नहीं है। इस मुद्दे पर मतभेद होने की गुंजाइश ही नहीं है, हम भारत के डिफेंस या सेना पर चर्चा नहीं करना चाहते, हम पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा करना चाहते हैं।

भारत के सीक्रेट एक्शन पर चर्चा करने को नहीं कह रहे। इस देश में निरपराध लोगों पर अटैक होता है, उसपर अगर हम स्पेशल सेशन की मांग करते हैं तो क्या गलत है। संजय राउत ने दावा किया कि विपक्ष के 16 दलों की ओर से एक पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को जाएगा। भारत सरकार की ओर से विदेशों में भेजे गए प्रतिनिधिमण्डल पर संजय राउत ने सवाल खड़े किए. उन्होंने कहा,ये डेलिगेशन छोटे-छोटे देशों में गए हैं, ऐसे देशों में, जिनके नाम भी नहीं सुने, इनमें से कई देशों की तो खुद की आर्मी भी नहीं है, तो वहां क्यों गए? अगर आपको जाना था तो चीन जाते, नेपाल क्यों गए?। संजय राउत ने यह सवाल भी उठाया कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस पर हमला करने के बाद अपने देश की जनता को जानकारी दी। रूस भी अपनी जनता को वॉर की सारी बातें बताता है, लेकिन एक देश है जो खुद को सबसे बड़ी डेमोक्रेसी बताता है, वो देश अपनी जनता से बातें छिपाता है।

स्टेडियम में गंदगी देख भड़की मंडलायुक्त

» ठेकेदार को लगाई फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में स्मार्ट सिटी द्वारा कराये गए कार्यो की गुणवत्ता का जायजा लेने के उद्देश्य से मंडलायुक्त ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जॉगिंग ट्रेक बीच-बीच में कई जगह उखड़ गया जिसकी मरम्मत का कार्य कराया जाना है। जिसके क्रम में मंडलायुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाते हुए जॉगिंग ट्रेक मरम्मत करने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जॉगिंग ट्रेक पर धूल व गंदगी न जमने पाए और नियमित रूप से ट्रेक की सफाई कराते रहे।

अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि क्रिकेट स्टेडियम की सिटिंग कुर्सी

तत्काल बदलकर गुणवत्ता पूर्ण कुर्सी लगाया जाना सुनिश्चित किया जाए। दीवारों की डेंटिंग-पेंटिंग व टूटी हुई टाइल्स की जगह नई टाइल्स लगाये जाने के निर्देश दिए। क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि हॉस्टल में चेंबर चोक हो जाने के कारण सीवेज की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके क्रम में मंडलायुक्त ने जीएम जलकर को फोन मिलाकर निर्देशित किया कि चेंबर सफाई/सीवेज सफाई हॉस्टल की प्राथमिकता के आधार पर करा लिया जाए।

सपा विधायक व परिजनों पर एक साथ होगी सुनवाई

» हाईकोर्ट में छह जून को सरकार को दाखिल करना है जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक जाहिद बेग, उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे नईम बेग की जमानत अर्जियों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक साथ सुनवाई होगी। इस मामले में कोर्ट ने यूपी सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए छह जून तक का आखिरी मौका दिया है। यह सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की पीठ में हो रही है। मामला पिछले साल सितंबर का है, दरअसल, 9 सितंबर 2024 को भदोही के मलिकाना मोहल्ले में सपा विधायक जाहिद बेग के घर एक नाबालिग नौकरानी मृत पाई गई थी।

घटना से एक दिन पहले यानी आठ सितंबर को किशोरी ने फांसी लगाकर

आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। इस मामले में भदोही पुलिस ने विधायक, उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे नईम बेग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। तीनों पर नाबालिग से मजदूरी कराने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। विधायक जाहिद बेग और उनके बेटे नईम बेग को पुलिस ने जेल भेज दिया है, जबकि विधायक की पत्नी सीमा बेग अब भी फरार चल रही हैं. पुलिस का कहना है कि सीमा बेग की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं। इधर, विधायक जाहिद बेग और बेटे नईम बेग ने जेल से अपनी जमानत अर्जी दाखिल की है, वहीं सीमा बेग ने अग्रिम जमानत अर्जी लगाई है. इन अर्जियों पर अब हाईकोर्ट एक साथ सुनवाई करेगा।

योगी सरकार को जवाब के लिए मिला अंतिम मौका

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका देते हुए छह जून की तारीख तय की है। इसके बाद अदालत मामले पर सुनवाई करेगी। पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद है। वहीं इस घटना से जुड़े कई सवाल भी उठ रहे हैं कि आखिरकार नेताओं के घरों में नाबालिग बच्चियां कैसे मजदूरी पर लाई जाती हैं और उन पर क्या-क्या दबाव बनाया जाता है. मामले की अगली सुनवाई का सभी को इंतजार है।

पहली बार आईपीएल चैंपियन बनी आरसीबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आईपीएल 2025 का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। 18 सत्र का इंतजार खत्म हो चुका है। आखिरकार विराट कोहली भी चैंपियन बन गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन बनाए थे। जवाब में पंजाब की टीम सात विकेट पर 184 रन ही बना सकी।

आरसीबी आईपीएल चैंपियन बनने वाली आठवीं टीम है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, डेक्कन चार्जर्स, मुंबई

कोहली की टीम ने पंजाब को फाइनल में 6 रन से हराया

इंडियंस, गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चैंपियन बन चुकी हैं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही थी। फिल सॉल्ट नौ गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 16 रन बनाकर आउट हुए थे। विराट 35 गेंद पर तीन चौके की मदद से 43 रन बनाकर अजमतुल्लाह का शिकार बने। वहीं 191 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। लेकिन श्रेयस अय्यर का बल्ला फाइनल में नहीं चला। वह एक रन बनाकर आउट हुए। जोश इंग्लिस ने अच्छी बल्लेबाजी की, वहीं शशांक ने 30 गेंद में तीन चौके और छह छक्के की मदद से 61 रन की पारी खेली, लेकिन यह जीत के लिए काफी नहीं था।

आरसीबी पर हुई पैसों की बारिश

अहमदाबाद। हर बार की तरह इस बार भी खिताब की विजेता टीम पर नोटों की बारिश हुई। बीसीसीआई ने चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 20 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर दिए। वहीं, उपविजेता पंजाब किंग्स को 12.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिली। वहीं आईपीएल में खर्च होने वाली रकम को लेकर लीग हमेशा चर्चा में रहती है। टीमों को मिलने वाली इनामी राशि के अलावा कई और अवॉर्ड भी दिए जाते हैं। इनमें ऑरेंज कैप, पर्पल कैप, फेयर प्ले अवॉर्ड जैसे अवॉर्ड शामिल हैं।

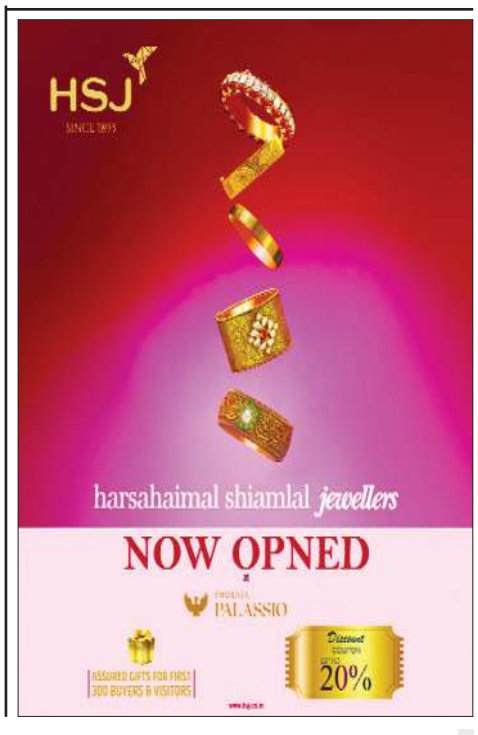

मगर शर्म इनको आती नहीं! फिर विवादों में फंसे मंत्री विजय शाह

» कोर्ट की फटकार के बाद भी नहीं सुधर रहे भाजपा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। बीजेपी नेताओं में लगता है शर्म नाम की बात बची ही नहीं है। तुर्रा ये कि उन्हें न्यायालयों से फटकार भी लग रही है पर वह अपने उलजुलूल बयानों से बाज नहीं आ रहे हैं। इसी क्रम कर्नल सोफिया कुरैशी को निशाना बनाकर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के कारण विवादों में घिरे मध्य प्रदेश के आदिवासी कल्याण मंत्री विजय शाह एक बार फिर चर्चा में हैं।

उनके वायरल तस्वीरों में पीड़िता के रिश्तेदारों की पहचान उजागर हो गई, जिससे उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन होने तथा यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़ितों की पहचान की सुरक्षा से संबंधित कानूनों का उल्लंघन होने का आरोप लगाते हुए विभिन्न वर्गों से इसकी आलोचना की गई। इस बार बलात्कार पीड़िता के परिवार की निजता से समझौता करने को लेकर वो विवादों में आ गए हैं। इससे आपरेशन सिंदूर के बाद शाह ने दर्शकों की तालियों के बीच कहा कि मोदी जी समाज के लिए प्रयास कर रहे हैं। जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी एक बहन को भेजा। आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों की पहचान उनके धर्म के आधार पर करने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने एक बेहद विवादास्पद उदाहरण देते हुए कहा अब मोदी जी ऐसा नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने अपनी सोसाइटी से एक बहन को भेजा, ताकि अगर तुम हमारी बहनों को विधवा करोगे तो तुम्हारी कोई बहन आकर तुम्हारे कपड़े उतार देगी।

अब रेप विक्टिम के परिवार की पहचान की उजागर

शाह ने खंडवा में बलात्कार-हत्या पीड़िता से की थी मुलाकात

शाह ने खंडवा में बलात्कार-हत्या पीड़िता के परिवार से मुलाकात की और मुआवजे के तौर पर चेक सौंपा। हालांकि, इस दौरान स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं और उपस्थित लोगों ने पीड़िता के परिवार की तस्वीरें खींचीं, जिन्हें बाद में सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया। वायरल तस्वीरों में पीड़िता के रिश्तेदारों की पहचान उजागर हो गई, जिससे उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन होने तथा यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़ितों की पहचान की सुरक्षा से संबंधित कानूनों का उल्लंघन होने का आरोप लगाते हुए विभिन्न वर्गों से इसकी आलोचना की गई।

फिर बढ़ेंगी भाजपा नेता की मुश्किलें

इस ताजा विवाद ने भाजपा नेता के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। शाह पिछले महीने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में दिए गए सांप्रदायिक और अपमानजनक बयान के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी भारतीय सेना की अधिकारी थीं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग का नेतृत्व किया था। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने सोफिया कुरैशी पर एक बेहद सांप्रदायिक टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान में मौजूद लोगों की तरह उसी समुदाय की एक बहनको भेजा था।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

» केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की तारीखें घोषित हो गई हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि 21 जुलाई से 12 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र आयोजित किया जाएगा। विपक्ष की ओर से ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लगातार की जा रही संसद के विशेष सत्र की मांग के बीच सरकार ने यह एलान किया है। संसद के मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक में बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

इससे पहले संसद का बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किया गया था। पहला सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी तक चला। संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च को शुरू हुआ और चार अप्रैल को समाप्त हुआ था। बजट सत्र में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया था कि सदन की अब तक की सबसे लंबी बैठक गुरुवार तीन अप्रैल को हुई थी। यह तीन अप्रैल को सुबह 11 बजे शुरू हुई और चार अप्रैल को सुबह 4:02 बजे तक चली।

सिसोदिया-सत्येंद्र जैन की फिर बढ़ीं मुश्किलें

» भ्रष्टाचार मामले में एसीबी ने भेजा समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने दिल्ली के पूर्व मंत्रियों और आप नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को समन जारी किया है। सत्येंद्र को 6 जून को एसीबी कार्यालय में बुलाया गया है, जबकि सिसोदिया को 9 जून को पेश होने को कहा गया है। 12,748 क्लासरूम और भवनों के निर्माण में कथित 2000 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़ा यह मामला है।

एंटी करप्शन ब्रांच की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दिल्ली में आप सरकार के शासनकाल में 12,748 कक्षाओं और भवनों के निर्माण में 2,000 करोड़ का भारी घोटाला सामने आया है। परियोजना को आम आदमी पार्टी से जुड़े कुछ ठेकेदारों को कथित तौर पर दिया गया था। निर्माण में भारी विचलन और लागत में वृद्धि देखी गई। इसके अलावा निर्धारित अवधि के अंदर एक भी काम पूरा नहीं हुआ। एंटी करप्शन ब्यूरो ने यह भी आरोप लगाया है कि इन कक्षाओं के निर्माण में जिन 34 ठेकेदारों को निर्माण का ठेका दिया गया था, उनमें से ज्यादातर आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए लोग शामिल थे। आरोप है कि इन्हीं लोगों से मिलीभगत कर घटिया स्तर की कक्षाओं का निर्माण कराकर वित्तीय गड़बड़ी की गई। इसमें बच्चों की सुरक्षा को भी दांव पर लगाया गया। कई जगहों पर किसी कक्षा का निर्माण नहीं किया गया, लेकिन टॉयलेट को एक कक्षा बताकर उसकी कीमत को भी जनता के पैसे से वसूल किया गया था। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की तत्कालीन सरकार ने एक ही स्कूल में चार-चार शिफ्ट में स्कूल चलाकर स्कूलों की संख्या बढ़ाकर दिखाई थी।

कक्षाओं के निर्माण में वित्तीय अनियमितता का आरोप

एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा दर्ज केस में इन नेताओं पर दिल्ली सरकार के स्कूलों की कक्षाओं के निर्माण में भारी वित्तीय अनियमितता करने का आरोप लगाया गया है। आरोप यह भी है कि आम आदमी पार्टी से जुड़े ठेकेदारों को कक्षाओं के निर्माण का काम देकर वित्तीय गड़बड़ी को अंजाम दिया गया। जांच एजेंसी ने दर्ज केस में आरोप लगाया है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार रहने के दौरान 12,748 कक्षाओं का निर्माण किया गया था। आरोप पत्र के अनुसार, इन कक्षाओं के निर्माण में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, लेकिन इसका पैसा बेहतर आरसीसी निर्माण तकनीकी की दर से वसूल किया गया। एजेंसी का आरोप है कि इस मामले में भारी वित्तीय गड़बड़ी की गई है।

पहले पाक आतंकी ढांचे पर करे कार्रवाई: थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद के मसले पर सख्त संदेश दिया है, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत करने में भाषा समस्या नहीं है, बल्कि शांति के लिए एक साझा नजरिया खोजने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर पाकिस्तान देश में मौजूद हर आतंकवादी बुनियादी ढांचे के खिलाफ कार्रवाई करता है, तो भारत उसके साथ बातचीत कर सकता है।

ब्राजील में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थरूर ने यह भी कहा कि उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के संदेश को अमेरिकी देशों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया, जिनमें वे देश भी शामिल हैं जिन्हें कुछ गलतफहमियां हो सकती हैं। थरूर ने पीटीआई से कहा, हम अपने वार्ताकारों से यही कहते हैं कि अगर पाकिस्तान इतना ही निर्दोष है जितना वह दावा करता है, तो वह आतंकवादियों को पनाह क्यों देता है? आखिर आतंकवादी पाकिस्तान में सुकून से रहने, प्रशिक्षण शिविर चलाने और लोगों को कट्टरपंथी बनाने में सफल कैसे हो जाते हैं। वे लोगों को हथियारों का अभ्यास करने के लिए प्रेरित कैसे कर पाते हैं? उन्होंने कहा, आप आतंकवाद के बुनियादी ढांचे पर नकेल कसें जो आपके देश में हर जगह दिखाई देता है। फिर निश्चित रूप से हम बातचीत कर सकते हैं। हम उनसे हिंदुस्तानी में बात कर सकते हैं। हम उनसे पंजाबी में बात कर सकते हैं। हम उनसे अंग्रेजी में बात कर सकते हैं।

» कांग्रेस नेता बोले- आतंक और बातचीत एक साथ नहीं हो सकती

लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामले

» दर्ज हुए 4302 एक्टिव केस 44 की हुई मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण के मामले देश में फिर से बढ़ने लगे है। कोरोना चुपके से अपने पैर पसार रहा है। कोविड 19 के ताजा मामले भारत में 4302 पर पहुंच चुके है। अब तक कोरोना वायरस के कारण कुल 44 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस संक्रमण के कई मामले सामने आ चुके है।

कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। देश में अलग अलग राज्य सरकारों ने गाइडलाइन भी जारी की है ताकि कोरोना वायरस के मामलों को फैलने से रोका जाए। स्वास्थ विभाग के आंकड़ों की मानें तो देश में केरल ऐसा राज्य है जहां अब तक कोरोना वायरस के सबसे अधिक मामले दर्ज हुए है।

मप्र में ट्रक पलटने से नौ लोगों की मौत

» शादी से लौट रहे थे दो परिवार, बीच रास्ते में दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में बुधवार को करीब 2.30 बजे सीमेंट से लदे ट्रेलर ट्रक के वैन पर पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सभी पीड़ित एक ही परिवार के थे, जो एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। यह दुर्घटना मेघनगर तहसील क्षेत्र में संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई, जहां एक निर्माणाधीन रेल ओवर-ब्रिज (आरओबी) का निर्माण किया जा रहा था। झाबुआ के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ला ने कहा, ट्रक मेघनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास एक अस्थायी सड़क के माध्यम से निर्माणाधीन रेल ओवर-ब्रिज (आरओबी) को पार कर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह एक वैन पर पलट गया।

यह दुर्घटना झाबुआ जिले के मेघनगर तहसील में संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास करीब 2.30 बजे हुई, जहां ट्रक एक अस्थायी सड़क के माध्यम से निर्माणाधीन रेल ओवर-ब्रिज (आरओबी) को पार कर रहा था और उसका संतुलन बिगड़ गया। पुलिस ने कहा कि सभी नौ पीड़ित वैन में यात्रा कर रहे थे, जो ट्रक के वजन के नीचे कुचल गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। जानकारी के अनुसार कार में 11 लोग सवार थे और वे एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।